कक्षा 2

संलग्नक ।
एन. सी. ई. आर. टी. द्वारा सुझाई सीखने सिखाने की प्रक्रिया
सभी शिक्षार्थियों (भिन्न रूप से सक्षम बच्चों सहित) को व्यक्तिगत , सामूहिक रूप से कार्य करने के अवसर और प्रोत्साहन दिया जाएगा ताकि उन्हें
अपनी भाषा में अपनी बात कहने ,बातचीत करने की भरपूर आज़ादी और अवसर हों ।
हिंदी में सुनी गीत बात, कविता, खेल गीत, कहानी आदि को अपने तरीक़े और अपनी भाषा में कहने सुनने/प्रश्न पूछने एवं अपनी बात जोड़ने के अवसर उपलब्ध हों
बच्चों द्वारा अपनी भाषा में कही गई बातों को हिंदी भाषा और अन्य भाषाओं (जो भाषाएँ कक्षा में मौजूद हैं या जिन भाषाओं के बच्चे कक्षा में हैं) में दोहराने के अवसर उपलब्ध हों । इससे भाषाओं को कक्षा में समुचित स्थान मिल सकेगा और उनका शब्द भंडार, अभिव्यक्तियों का भी विकास करने के अवसर मिल सकेंगे ।
'पढ़ने का कोना 'में स्तरानुसार विभिन्न प्रकार की और विभिन्न भाषाओं (बच्चों की अपनी भाषा/ऐं, हिंदी आदि) में रोचक सामग्री, जैसे - बाल साहित्य बाल पत्रिकाएँ , पोस्टर, ऑडीओ-विडीओ सामग्री उपलब्ध हो ।
कहानी, कविता आदि को बोलकर सुनने के अवसर हों और उस पर बातचीत करने के अवसर हों ।
चित्रों के आधार पर अनुमान लगाकर तरह तरह की कहानियों कविताओं को पढ़ने के अवसर उपलब्ध हों ।
विभिन्न उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए पढ़ने के विभिन्न आयामों को कक्षा में उचित स्थान देने के अवसर उपलब्ध हों, जैसे किसी कहानी में घटी किसी कहानी में किसी जानकारी को खोजना, कहानी में घटी विभिन्न घटनाओं के क्रम को तय करना, किसी घटना के होने के लिए तर्क दे पाना, पात्र के संबंध में घटी विभिन्न घटनाओं के क्रम को तय करना, किसी घटना के होने के लिए तर्क दे पाना, पात्र के सम्बन्ध में अपनी पसंद या नापसंद के बारे में बात पाना आदि ।
कहानी, कविता आदि को बोलकर, पढ़कर सुनाने के अवसर हों और उस पर बातचीत करने के अवसर हों
सुनी, देखी, बातों को अपने तरीक़े से काग़ज़ पर उतरने के अवसर हों । ये चित्र भी हो सकते हैं, शब्द भी और वाक्य भी
बच्चे अक्षरों की आकृति बनाने में अपेक्षाकृत सगढता का प्रदर्शन करते हैं । इसे कक्षा में प्रोत्साहित किया जाए ।
बच्चों द्वारा अपनी वर्तनी गढ़ने की प्रवृति को भाषा सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा समझा जाए ।

संदर्भ द्वारा अपनी वर्तनी गढ़ने की प्रवृति को भाषा सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा समझा जाए

संलग्नक II
मन - मान चित्रण(मैपिंग) कक्षा 2 हिन्दी विषय सी. बी. एस. सी. द्वारा अपनाए - सीखने के प्रतिफल के साथ
विविध उद्देश्यों के लिए अपनी भाषा अथवा/और स्कूल की भाषा का इस्तेमाल करते हुए बातचीत करते हैं, जैसे - जानकारी के लिए प्रश्न पूछना, निजी अनुभवों को साझा करना, अपना तर्क देना आदि ।
कही जा रही बात, कहानी कविता आदि ध्यान से सुनकर अपनी भाषा में बताते सुनाते हैं ।
देखी सुनी बातों कहानी कविता आदि के बारे में बातचीत करते हैं और अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं
अपनी निजी ज़िंदगी और परिवेश पर आधारित अनुभवों को सुनाई जा रही सामग्री जैसे - कविता, कहानी, पोस्टर, विज्ञापन आदि से जोड़ते हुए बातचीत में शामिल करते हैं
भाषा में निहित ध्वनियों और शब्दों के साथ खेलने का आनंद लेते हैं, जैसे - एक था पहाड़, उसका भाई था दहाड़, दोनो गये खेलने इत्यादि ।
अपनी कल्पना से कहानी , कविता आदि कहते/सुनते हैं/आगे बढ़ते हैं ।
अपने स्तर और पसंद के अनुसार कहानी, कविता, चित्र पोस्टर आदि को आनंद के साथ पढ़कर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं/प्रश्न पूछते हैं ।
चित्र के सूक्ष्म और प्रत्येक पहलुओं पर बारीक अवलोकन करते हैं ।
चित्र में या क्रमवार सजीव चित्रों में घटी अलग अलग घटनाओं गतिविधियों और पात्रों को एक संदर्भ या कहानी के सूत्र को देखकर समझते हैं और सराहना करते हैं ।
परिचित/अपरिचित लिखित सामग्री में रूचि देखते हैं और अर्थ की खोज में विविध प्रकार की युक्तियाँ का इस्तेमाल करते हैं जैसे - चित्रों और प्रिंट की मदद से अनुमान लगाना, अक्षर ध्वनि सम्बन्ध का इस्तेमाल करना शब्दों को पहचानना पूर्व अनुभवों और जानकारी का इस्तेमाल करते हुए अनुमान लगाना करते हुए अनुमान लगाना ।
प्रिंट (लिखा या छपा हुआ) में मौजूद अक्षर, शब्द और वाक्य की इकाइयों की अवधारणा को समझते हैं, जैसे- 'मेरा नाम विमला है।' बताओ, इस वाक्य में कितने शब्द हैं?/ 'नाम' शब्द में कितने अक्षर हैं या 'नाम' शब्द में कौन कौन से अक्षर हैं
हिंदी की वर्णमाला के अक्षरों की आकृति और ध्वनि को पहचानते हैं ।
स्कूल के बाहर और स्कूल के भीतर (पुस्तक कोना/पुस्तकालय से) अपनी पसंद की किताबों को स्वयं चुनते हैं और पढ़ने की कोशिश करते हैं

स्वेच्छा से या शिक्षक द्वारा तय गतिविधि के अंतर्गत चित्रों आड़ी -तिरछी रेखाओं (कीरम -काँटे), अक्षर आकृतियों से आगे बढ़ते हुए स्व-वर्तनी का उपयोग और स्व-नियंत्रण लेखन (कोनवेंशनल राइटिंग) करते हैं ।
सुनी हुई और अपने मन की बातों को अपने तरीके से और तरह तरह से चित्रों/शब्दों/वाक्यों द्वारा (लिखित रूप से) अभिव्यक्त करते हैं ।
अपनी निजी ज़िंदगी और परिवेश पर आधारित अनुभवों को अपने लेखन में शामिल करते हैं ।
अपनी कल्पना से कहानी, कविता आदि आगे बढ़ाते हैं ।

संलग्नक III			
मन-मंचित्रण (मैपिंग) कक्षा 2 हिन्दी विषय सी. बी. एस. ई. द्वारा अपनाए - सीखने के प्रतिफल			
नोट - सम्पूर्ण पाठ्यक्रम सीखने के प्रतिफल			
पाठ 1	**विषय कवर किए गए**	**शिक्षण के लक्ष्य**	**सीखने के प्रतिफल**
पाठ 1 (ऊँट चला)	श्रवण-वाचन कौशल का विकास	कविता सुनने के बाद विद्यार्थी कविता मे वर्णित ऊँट पर कम से कम पाँच प्रश्नों का उत्तर देने में सक्षम होंगे ।	विविध उद्देश्यों के लिए अपनी भाषा अथवा / और स्कूल की भाषा का इस्तेमाल करते हुए बातचीत करते है, जैसे जानकारी पाने के लिए प्रश्न पूछना, निजी अनुभवों का साझा करना, अपना तर्क देना आदि । (जैसे - ऊँट रेत पर आसानी से कैसे चल लेता है ?)
	पठन कौशल का विकास	'ऊ' , ई, चन्द्रबिन्दु और रेफ 'र्' युक्त दो अक्षर वाले शब्दों को पहचानने में सक्षम होंगे।	
	लेखन कौशल का विकास	छात्र पाठ पढ़ने के बाद ऊँटके बारे में कम-से-कम पाँच शब्दों वाला एक वाक्य लिखने में सक्षम होंगे।	
	शब्द-विकास कौशल	छात्र पाठ में आए कम से कम पाँच शब्दों के अर्थ के साथ ही प्रयुक्त मुहावरे - ऊँट किस करवट बैठेगा का उपयोग बताने में सक्षम होंगें ।	
	विभेदित मूल्यांकन (Differentiated Assessment)	कविता की कुछ पंक्तियाँ सुनकर, सीखे गए शब्दों का उचित प्रयोग करवा कर, श्रुतिलेख लिखवाकर तथा ऊँट पर पाँच वाक्य(दो या तीन शब्द) बुलावा कर मूल्यांकन किया जाएगा।	
	नैतिक मूल्य	अध्यापक द्वारा विषम परिस्थितियों में रहने, सिमित साधनों में संतुष्ट रहने और अपने कर्तव्य को प्रसन्नता से निभाने आदि नैतिक मूल्यों की शिक्षा दी जाएगी।	

पाठ 2	विषय कवर किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 2-(भालू ने खेली फुटबॉल)	श्रवण-वाचन कौशल का विकास	अध्यापक द्वारा सुनाई गई कहानी को छात्र कक्षा में एक-एक कर सुनाएँगे। इससे उनमें श्रवण और वाचन कौशल का विकास होगा।	कही जा रही बात, कहानी, कविता आदि ध्यान से सुनकर अपनी भाषा में बताएँगे और सुनाएंगे.
	पठन कौशल का विकास	चित्रकथा से सर्दियों, मौसम, वक़्त, फुटबॉल आदि पांच छह शब्द शिक्षक द्वारा श्यामपट्ट पर लिखा जायेगा जिसे छात्र पढ़ने में सक्षम होंगे।	
	लेखन कौशल का विकास	छात्र कम से कम तीन संयुक्ताक्षरों - वक़्त, अक़्ल, बच्चा, क्या, जल्दी आदि को शुद्ध लिखने में सक्षम होंगे .	
	शब्द विकास कौशल	छात्र पाठ पढ़ने के उपरांत कम से कम पाँच शब्दों व 'नौ दो ग्यारह होना' मुहावरे का अर्थ बताने में सक्षम होंगे।	
	विभेदित मूल्यांकन (Differentiated Assessment)	पाठ के अंत में दिए गए 'पहले क्या हुआ, फिर क्या-क्या हुआ ?' के आधार पर छात्रों का मूल्यांकन किया जायेगा।	
	नैतिक मूल्य	अध्यापक द्वारा पालतू पशु-पक्षियों को परेशान न करने आदि नैतिक मूल्यों पर विशेष बल दिया जायेगा।	

पाठ 3	विषय कवर किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 3 (म्याऊँ - म्याऊँ)	श्रवण-वाचन कौशल का विकास	कविता सुनने के बाद विद्यार्थी कविता मे वर्णित पात्रों पर कम से कम पाँच प्रश्नों का उत्तर देने में सक्षम होंगे ।	छात्र देखी-सुनी बातों, कहानी, कविता आदि के बारे में बातचीत करेंगे और अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करेंगे।
	पठन कौशल का विकास	छात्र पाठ से मात्रा-युक्त तीन अक्षर वाले शब्दों को पहचानने में सक्षम होंगे।	
	लेखन कौशल का विकास	छात्र पाठ पढ़ने के बाद कविता को कहानी के रूप में पाँच-दस वाक्य(तीन या अधिक शब्दों वाले) लिखने में सक्षम होंगे।	
	शब्द-विकास कौशल	छात्र पाठ में आए कम से कम पाँच शब्दों शुद्ध रूप से लिखने में सक्षम होंगे।	
	विभेदित मूल्यांकन (Differentiated Assessment)	अध्यापक द्वारा पाठ के बाद दिए गए 'डरना मत' के आधार पर छात्रों के अधिगम का मूल्यांकन किया जायेगा।	
	नैतिक मूल्य	अध्यापक द्वारा निडर होने तथा भय का सामना करने आदि नैतिक मूल्यों की शिक्षा दी जाएगी।	

पाठ 4	विषय कवर किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 4-(अधिक बलवान कौन)	श्रवण-वाचन कौशल का विकास	अध्यापक द्वारा सुनाई गई कहानी को छात्र कक्षा में एक-एक कर सुनाएँगे। इससे उनमें श्रवण और वाचन कौशल का विकास होगा।	अपनी निजी ज़िंदगी और परिवेश पर आधारित अनुभवों को सुनाई जा रही सामग्री

	पठन कौशल का विकास	चित्रकथा से ज़्यादा, नज़र, फ़ायदा आदि सात शब्द शिक्षक द्वारा श्यामपट्ट पर लिखा जायेगा जिसे छात्र पढ़ने में सक्षम होंगे।	जैसे - कविता, कहानी, पोस्टर, विज्ञापन आदि से जोड़ते हुए बातचीत में शामिल करते हैं
	लेखन कौशल का विकास	छात्र कम से कम तीन नुक़्ता वाले शब्दों - नज़र, ज़्यादा, ज़ोर, फ़ायदा आदि को शुद्ध लिखने में सक्षम होंगे।	
	शब्द-विकास कौशल	छात्र पाठ पढ़ने के उपरांत कम से कम पांच शब्दों बहस, ताक़त, फ़ायदा का अर्थ बताने में सक्षम होंगे।	
	विभेदित मूल्यांकन (Differentiated Assessment)	पाठ के अंत में दिए गए 'हवा की बात' के आधार पर छात्रों का मूल्यांकन किया जायेगा।	
	नैतिक मूल्य	अध्यापक द्वारा घमंड न करने तथा सबका आदर करने आदि नैतिक मूल्यों की शिक्षा दी जाएगी।	

पाठ 5	विषय कवर किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 5 (दोस्त की मदद)	श्रवण-वाचन कौशल का विकास	अध्यापक द्वारा सुनाई गई कहानी की एक-एक घटना को को छात्र कक्षा में एक-एक कर सुनाएँगे। इससे उनमें श्रवण और वाचन कौशल का विकास होगा।	

	पठन कौशल का विकास	छात्र कथा में आये माँद, तेंदुए, कछुए आदि सात नये शब्द शिक्षक द्वारा श्यामपट्ट पर लिखा जायेगा जिसे छात्र पढ़ने में सक्षम होंगे।	अपने स्तर और पसंद के अनुसार कहानी, कविता, चित्र पोस्टर आदि को आनंद के साथ पढ़कर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करेंगे और प्रश्न पूछेंगे.
	लेखन कौशल का विकास	छात्र चार-पाँच अक्षर वाले कम से कम तीन शब्दों - झाँककर, आज़माकर, भोलेपन, तरक़ीब आदि के साथ ही कथा एक भाग शुद्ध लिखने में सक्षम होंगे।	
	शब्द-विकास कौशल	छात्र पाठ पढ़ने के उपरांत कम से कम पांच शब्दों झाँककर, आज़माकर, भोलेपन, तरक़ीब का अर्थ बताने में सक्षम होंगे।	
	विभेदित मूल्यांकन (Differentiated Assessment)	पाठ के अंत में दिए गए 'कहानी से' के आधार पर छात्रों का मूल्यांकन किया जायेगा।	
	नैतिक मूल्य	अध्यापक द्वारा सदा मित्रता की रक्षा करने आदि नैतिक मूल्यों की शिक्षा दी जाएगी।	

पाठ 6	विषय कवर किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 6 (बहुत हुआ)	श्रवण-वाचन कौशल का विकास	कविता सुनने के बाद विद्यार्थी कविता मे मौसम और क्रिया पर कम से कम पाँच प्रश्नों का उत्तर देने में सक्षम होंगे ।	सुनी, देखी, बातों को अपनेय तरीक़े से काग़ज़ पर उतारने के अवसर हों । ये चित्र भी हो सकते हैं, शब्द भी और वाक्य भी।

	पठन कौशल का विकास	छात्र कविता को पढ़ने और भइया, चुआ, सुआ आदि सात नये शब्दों को पहचानने में सक्षम होंगे।	
	लेखन कौशल का विकास	छात्र पाठ पढ़ने के बाद बरसात पर पाँच वाक्य(चार या अधिक शब्दों वाले) लिखने में सक्षम होंगे।	
	शब्द-विकास कौशल	छात्र पाठ में आए कम से कम तीन शब्दों - चुआ, सुआ, दुआ, बोरियत, पिंजरे आदि का अर्थ बताने में सक्षम होंगे।	
	विभेदित मूल्यांकन (Differentiated Assessment)	अध्यापक द्वारा पाठ के बाद दिए गए 'कविता से' के आधार पर छात्रों के अधिगम का मूल्यांकन किया जायेगा।	
	नैतिक मूल्य	अध्यापक द्वारा पानी के महत्त्व और जल-संरक्षण करने आदि नैतिक मूल्यों की शिक्षा दी जाएगी।	

पाठ 7	विषय कवर किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 7 (मेरी किताब)	श्रवण-वाचन कौशल का विकास	अध्यापक द्वारा सुनाई गई कहानी को छात्र संक्षेप में सुनाएँगे। इससे उनमें श्रवण और वाचन कौशल का विकास होगा।	चित्र में या क्रमवार सजीव चित्रों में घटी अलग अलग घटनाओं गतिविधियों और पात्रों को एक संदर्भ या कहानी के सूत्र को देखकर समझते हैं और सराहना करते हैं ।
	पठन कौशल का विकास	चित्रकथा से छात्र वीरू और मौसी के संवाद को पढ़ने में सक्षम होंगे। सात नये शब्द पढ़ पाने में समर्थ होंगें।	

	लेखन कौशल का विकास	छात्र कम से कम तीन संयुक्ताक्षर वाले शब्दों - मौसी, वीरू, पन्ने,फुट्टा आदि को शुद्ध लिखने में सक्षम होंगे।	
	शब्द-विकास कौशल	छात्र पाठ पढ़ने के उपरांत कम से कम पाँच शब्दों 'आँखें फाड़कर देखना' के अतिरिक्त फुट्टा, सुझाव, बस्ता आदि का अर्थ बताने में सक्षम होंगे।	
	विभेदित मूल्यांकन (Differentiated Assessment)	पाठ के अंत में दिए गए 'नाप-तौल' के आधार पर छात्रों का मूल्यांकन किया जायेगा।	
	नैतिक मूल्य	अध्यापक द्वारा पुस्तक और पढ़ने के महत्त्व आदि नैतिक मूल्यों की शिक्षा दी जाएगी।	

पाठ 8	विषय कवर किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 8-(तितली और कली)	श्रवण-वाचन कौशल का विकास	कविता सुनने के बाद विद्यार्थी कविता मे तितली और कली की वार्ता और क्रिया पर कम से कम पाँच प्रश्नों का उत्तर देने में सक्षम होंगे ।	हिंदी के वर्णमाला के अक्षरों की आकृति और ध्वनि को पहचानते (हुए कविता का वाचन करते) हैं ।
	पठन कौशल का विकास	छात्र कविता का दो-तीन छंद पढ़ने तथा सुन्दर, तुम्हारी, छिटककर आदि शब्दों का उच्चारण करने में सक्षम होंगे। सात नये शब्द पढ़ पाने में समर्थ होंगें।	
	लेखन कौशल का विकास	छात्र पाठ पढ़ने के बाद तितली और कली पर कम-से-कम तीन-तीन (चार व अधिक शब्दों वाले)वाक्य लिखने में सक्षम होंगे।	

	शब्द-विकास कौशल	छात्र पाठ में आए कम से कम तीन शब्दों - नन्हीं, भली, संग, सारी आदि का अर्थ बताने में सक्षम होंगे।	
	विभेदित मूल्यांकन (Differentiated Assessment)	अध्यापक द्वारा पाठ के बाद दिए गए 'कविता से' के आधार पर छात्रों के अधिगम का मूल्यांकन किया जायेगा।	
	नैतिक मूल्य	अध्यापक द्वारा दूसरे को प्रोत्साहित करने तथा सहयोग करने आदि नैतिक मूल्यों की शिक्षा दी जाएगी।	

पाठ 9	विषय कवर किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 9-(बुलबुल)	श्रवण-वाचन कौशल का विकास	अध्यापक द्वारा सुनाई गई कहानी के आधार पर छात्र बुलबुल चिड़िया के बारे में संक्षेप में बताने में सक्षम होंगे। इससे उनमें श्रवण और वाचन कौशल का विकास होगा।	प्रिंट (लिखा या छपा हुआ) में मौजूद अक्षर, शब्द और वाक्य की इकाइयों की अवधारणा को समझते हैं, जैसे- 'मेरा नाम विमला है।' बताओ, इस वाक्य में कितने शब्द हैं?/ 'नाम' शब्द में कितने अक्षर हैं या 'नाम' शब्द में कौन कौन से अक्षर हैं ।
	पठन कौशल का विकास	चित्रकथा से छात्र दो-तीन अनुच्छेद को पढ़ने में सक्षम होंगे। आठ नये शब्द पढ़ पाने में समर्थ होंगें।	
	लेखन कौशल का विकास	छात्र बुलबुल चिड़िया के बारे में कम से कम पाँच वाक्य(पांच शब्दों वाले) शुद्ध लिखने में सक्षम होंगे।	

	शब्द-विकास कौशल	छात्र पाठ पढ़ने के उपरांत कम से कम पांच शब्दों 'बुलबुल, चिड़िया, पूँछ, सब्ज़ी, घोंसला आदि का अर्थ बताने में सक्षम होंगे।	
	विभेदित मूल्यांकन (Differentiated Assessment)	पाठ के अंत में दिए गए 'बुलबुल और तुम' के आधार पर छात्रों का मूल्यांकन किया जायेगा।	
	नैतिक मूल्य	अध्यापक द्वारा पक्षियों के सौंदर्य को बताते हुए मानव के लिए उनके महत्व आदि नैतिक मूल्यों की शिक्षा दी जाएगी।	

पाठ 10	विषय कवर किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 10-(मीठी सारंगी)	श्रवण-वाचन कौशल का विकास	अध्यापक द्वारा सुनाई गई कहानी के आधार पर छात्र पाठ के बारे में संक्षेप में बताने और पाठ का कुछ अनुच्छेद पढ़ने में सक्षम होंगे । इससे उनमें श्रवण और वाचन कौशल का विकास होगा।	पाठ से या शिक्षक द्वारा तय गतिविधि के अंतर्गत चित्रों के सूक्ष्म और प्रत्येक पहलुओं पर बारीक अवलोकन करते हैं । स्वेच्छा से या शिक्षक द्वारा तय गतिविधि के अंतर्गत चित्रों आड़ी -तिरछी रेखाओं (कीरम -काँटे), अक्षर आकृतियों से आगे बढ़ते हुए स्व-वर्तनी का उपयोग और स्व-नियंत्रण लेखन (कोनवेंशनल राइटिंग) करते हैं ।
	पठन कौशल का विकास	पाठ से छात्र दो-तीन अनुच्छेद को सही-सही पढ़ने में सक्षम होंगे। दस नये शब्द पढ़ पाने में समर्थ होंगें।	
	लेखन कौशल का विकास	छात्र सारंगी के बारे में कम से कम पाँच वाक्य (पांच शब्दों वाले)शुद्ध लिखने में सक्षम होंगे।	

	शब्द-विकास कौशल	छात्र पाठ पढ़ने के उपरांत विशेषण शब्द और मुहावरे को पहचान पाने का प्रयास करेंगे आदि का अर्थ बताने में सक्षम होंगे।	
	विभेदित मूल्यांकन (Differentiated Assessment)	पाठ के अंत में दिए गए 'कहानी से' के आधार पर छात्रों का मूल्यांकन किया जायेगा।	
	नैतिक मूल्य	अध्यापक द्वारा जीवन में मिठास लाने और अपने से बड़ों की बातों का आदर करने आदि नैतिक मूल्यों की शिक्षा दी जाएगी।	

पाठ 11	विषय कवर किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 11 (टेसू राजा बीच बाजार)	श्रवण-वाचन कौशल का विकास	कविता सुनने के बाद विद्यार्थी कुछ गिने जा सकने वाले और कुछ नहीं गिने जा सकने वाले चीजों में अंतर समझ सकेंगे तथा इस पर आधारित प्रश्नों का उत्तर देने में सक्षम होंगे ।	परिचित/ अपरिचित लिखित सामग्री में रुचि दिखाते है और अर्थ की खोज में विविध प्रकार की युक्तियों का इस्तेमाल करता है जैसे - चित्रों और प्रिंट की मदद से अनुमान लगाना, अक्षर ध्वनि का इस्तेमाल करना, शब्दों को पहचानना पूर्व अनुभवों और जानकारी का इस्तेमाल करते हुए अनुमान लगाना ।
	पठन कौशल का विकास	छात्र कविता का दो-तीन छंद पढ़ने तथा झुण्ड, क्यूँ, कलकत्ते आदि शब्दों का शुद्ध उच्चारण करने में सक्षम होंगे। दस नये शब्द पढ़ पाने में समर्थ होंगें।	
	लेखन कौशल का विकास	पाठ पढ़ने के बाद छात्र कुछ संख्याओं को अंकों से शब्दों में लिखने में सफल होंगे. जैसे- बीस लाख तेईस हज़ार, चार .(पांच शब्दों वाले)	

	शब्द-विकास कौशल	छात्र पाठ में आए कम से कम तीन वस्तुओं- अनार, कम्बल, भेंड़, पत्ती, लत्ते, कुत्ते आदि को पहचानने में सक्षम होंगे।	
	विभेदित मूल्यांकन (Differentiated Assessment)	अध्यापक द्वारा पाठ के बाद दिए गए 'फेर-बदल' के आधार पर छात्रों के अधिगम का मूल्यांकन किया जायेगा।	
	नैतिक मूल्य	अध्यापक द्वारा प्रत्येक वस्तु की एक-दूसरे से जुड़ाव तथा सहयोग करने आदि नैतिक मूल्यों की शिक्षा दी जाएगी।	

पाठ 12	विषय कवर किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 12-(बस के नीचे बाघ)	श्रवण-वाचन कौशल का विकास	अध्यापक द्वारा सुनाई गई कहानी के आधार पर छात्र पाठ के कुछ अनुच्छेद को पढ़कर बाघ और बस में बैठे लोगों की प्रतिक्रिया के बारे में बताने में सक्षम होंगे । इससे उनमें श्रवण और वाचन कौशल का विकास होगा।	अपनी कल्पना से कहानी , कविता आदि कहते/सुनते हैं/आगे बढ़ते हैं ।
	पठन कौशल का विकास	पाठ से छात्र दो-तीन अनुच्छेद को शुद्ध रूप से पढ़ने में सक्षम होंगे। दस नये शब्द पढ़ पाने में समर्थ होंगें	
	लेखन कौशल का विकास	छात्र पठित कहानी के आधार पर छोटे बाघ के क्रियाकलाप पर दो तीन वाक्य (पांच शब्दों वाले)लिखने में सक्षम होंगे।	

	शब्द-विकास कौशल	छात्र पाठ पढ़ने के उपरांत दिशा-बोध वाले शब्द- सामने, दाएँ, बाएँ आदि का अर्थ बताने में सक्षम होंगे।	
	विभेदित मूल्यांकन (Differentiated Assessment)	पाठ के अंत में दिए गए 'ऐसा क्यों' के आधार पर छात्रों का मूल्यांकन किया जायेगा।	
	नैतिक मूल्य	अध्यापक द्वारा निडर बनने, पशुओं की मानवीय प्रवृत्तियों का आदर करने आदि नैतिक मूल्यों की शिक्षा दी जाएगी।	

पाठ 13	विषय कवर किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 13-(सूरज जल्दी आना जी)	श्रवण-वाचन कौशल का विकास	कविता सुनने के बाद विद्यार्थी मनुष्य के लिए सूरज का महत्त्व बताने में सक्षम होंगे । इससे उनमें श्रवण और वाचन कौशल का विकास होगा।	स्कूल के बाहर और स्कूल के भीतर (पुस्तक कोना/पुस्तकालय से) अपनी पसंद की किताबों को स्वयं चुनते हैं और पढ़ने की कोशिश करते हैं
	पठन कौशल का विकास	छात्र कविता का दो-तीन छंद पढ़ने में सक्षम होंगे। दस नये शब्द पढ़ पाने में समर्थ होंगें	
	लेखन कौशल का विकास	छात्र पाठ पढ़ने के बाद ना-ना-ना-ना-ना ना जी जैसे शब्दों के प्रयोग से एक-दो तुकांत पंक्ति(पांच शब्दों वाली) लिखने में सक्षम होंगे।	
	शब्द-विकास कौशल	छात्र पाठ में आए कम से कम तीन शब्दों- कटोरी, गोरी कुहासा सीलें आदि शब्दों का अर्थ बताने में सक्षम होंगे।	

	विभेदित मूल्यांकन (Differentiated Assessment)	अध्यापक द्वारा पाठ के बाद दिए गए 'अगर ऐसा हो' के आधार पर छात्रों के अधिगम का मूल्यांकन किया जायेगा।	
	नैतिक मूल्य	अध्यापक द्वारा प्रकृति का आदर करने आदि नैतिक मूल्यों की शिक्षा दी जाएगी।	

पाठ 14	विषय कवर किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 14-(नटखट चूहा)	श्रवण-वाचन कौशल का विकास	अध्यापक द्वारा सुनाई गई कहानी को छात्र 'चूहे की असीमित इच्छा' के रूप में संक्षेप में सुनाएँगे। इससे उनमें श्रवण और वाचन कौशल का विकास होगा।	भाषा में निहित ध्वनियों और शब्दों के साथ खेलने का आनंद लेते हैं, जैसे - एक था पहाड़, उसका भाई था दहाड़, दोनो गये खेलने इत्यादि ।
	पठन कौशल का विकास	चित्रकथा से छात्र चूहे और दुकानदार, दरजी, राजा आदि के बीच हुए संवाद को पढ़ने में सक्षम होंगे। बारह नये शब्द पढ़ पाने में समर्थ होंगें	
	लेखन कौशल का विकास	छात्र कम से चूहे द्वारा गाये गए गीत जैसा दो छंद शुद्ध लिखने में सक्षम होंगे।	
	शब्द-विकास कौशल	छात्र पाठ पढ़ने के उपरांत कम से कम पांच योजक चिह्न वाले शब्दों 'सुन्दर-सी, छोटी-सी, इधर-उधर आदि का अर्थ बताने में सक्षम होंगे।	
	विभेदित मूल्यांकन (Differentiated	पाठ के अंत में दिए गए 'तुम्हारे समझ से' के आधार पर छात्रों का मूल्यांकन किया जायेगा।	

	Assessment)		
	नैतिक मूल्य	अध्यापक द्वारा छात्रों को शारीरिक विविधता के आधारपर भेद न करने आदि नैतिक मूल्यों की शिक्षा दी जाएगी।	

पाठ 15	विषय कवर किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 15 (इक्की दोक्की)	श्रवण-वाचन कौशल का विकास	अध्यापक द्वारा सुनाई गई कहानी को छात्र संक्षेप में सुनाएँगे। इससे उनमें श्रवण और वाचन कौशल का विकास होगा।	अपनी निजी ज़िंदगी और परिवेश पर आधारित अनुभवों को अपने लेखन में शामिल करते हैं ।
	पठन कौशल का विकास	कहानी के आधार पर छात्र दोनों बहनों की वार्ता को पढ़ने में सक्षम होंगे। बारह नये शब्द पढ़ पाने में समर्थ होंगें	
	लेखन कौशल का विकास	छात्र एक्की द्वारा किए गए कम-से-कम एक सहयोग के कार्य को शुद्ध लिखने में सक्षम होंगे।	
	शब्द-विकास कौशल	छात्र पाठ पढ़ने के उपरांत कम से कम पाँच शब्दों- एककेसवाली, दोनकेसवाली, एक्की, दोक्की आदि का अर्थ बताने में सक्षम होंगे।	
	विभेदित मूल्यांकन (Differentiated Assessment)	पाठ के अंत में दिए गए 'कहानी से' के आधार पर छात्रों का मूल्यांकन किया जायेगा।	

	नैतिक मूल्य	अध्यापक द्वारा छात्रों को सहानुभूति और परोपकारआदि नैतिक मूल्यों की शिक्षा दी जाएगी।	